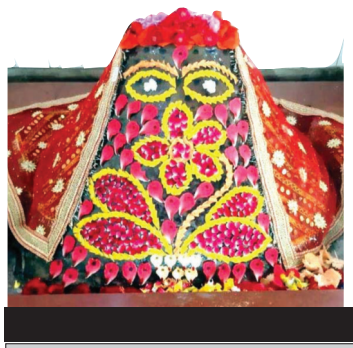

।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fort Nightly

Baat Hindustan ki

बात हिन्दुस्तान की

Baat Hindustan Ki

R N I No. : WBHIN / 2021 / 84049

● विक्रम संवत 2081 वैशाख शुक्ल पक्ष अष्टमी, 16-31 मई 2024 , 16-31 May 2024, ● वर्ष 4 (Year-4), ● अंक 1 ● पृष्ठ 4 (Page-4) ● मूल्य रु. 2 (Price 2/-)

बिहार के लोग खाने-पीने पर करते हैं सबसे ज्यादा खर्च

केरल सबसे कम, बंगाल, यूपी-हरियाणा का क्या है हाल?

नई दिल्ली : जीवनयापन के कुल खर्च में खाने-पीने की चीजों की हिस्सेदारी पूरे देश के स्तर पर पिछले 10 वर्षों में घटकर घटकर 50% से नीचे आ गई है। हालांकि, बिहार और असम जैसे राज्यों में यह अब भी इससे अधिक है। बिहार और असम के लोगों के कुल खर्च में खाने-पीने की चीजों का हिस्सा सबसे अधिक है। तेलंगाना और केरल में यह सबसे कम है। हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और यूपी जैसे राज्यों के लोग खाने-पीने में दूध और इससे बनी चीजों पर सबसे अधिक खर्च कर रहे हैं। यह जानकारी हाउसह-ोल्ड कंजम्पशन एक्सपेंडिचर सर्वे 2022-23 की विस्तृत रिपोर्ट में सामने आई है। इसे स्टैटिस्टिक्स ऐंड प्रोग्राम इंप्लिमेंटेशन मिनिस्ट्री ने जारी किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, टोटल कंजम्पशन एक्सपेंडिचर में खाने-पीने की चीजों की हिस्सेदारी बिहार और असम में सबसे अधिक 54% और केरल में सबसे कम 39% है। शहरी इलाकों में भी यह आंकड़ा बिहार और असम में सबसे अधिक 47% रहा। सबसे कम 35% हिस्सेदारी तेलंगाना में रही है। यूपी के ग्रामीण इलाकों में प्रति व्यक्ति कुल खर्च में फूड आइटम्स का हिस्सा 47% और शहरी इलाकों में 41% है। महाराष्ट्र में यह आंकड़ा क्रमशः 41% और 37% का है।

ओवरऑल पिछले 10 वर्षों में औसत मंथली पर कैपिटा कंजम्पशन एक्सपेंडिचर () में फूड पर खर्च घटा है। 2011-12 में ग्रामीण इलाकों में कुल मासिक खर्च में खाने-पीने की हिस्सेदारी 52.9% थी। 2022-23 में यह 46.4% पर आ गई। शहरों में भी आंकड़ा 42.6% से घटकर 39.2% पर आ गया। गांवों में खाने-पीने पर प्रति व्यक्ति एक महीने का खर्च औसतन 1750 रुपये और शहरों में 2530 रुपये रहा। टोटल फूड कंजम्पशन में बेवरेजेज और प्रोसेस्ड फूड की हिस्सेदारी बढ़ी है और राष्ट्रीय औसत 9.6% का है। अधिकतर राज्यों में सबसे अधिक खर्च इसी पर है है। दूध और इससे बनी चीजी की हिस्सेदारी का राष्ट्रीय औसत 8.3% है। हालांकि हरियाणा (41.7%), राजस्थान (35.5%), पंजाब (34.7%), गुजरात (25.5%), यूपी (22.6%) और एमपी (21.5%) में दूध और दूध से बने उत्पादों का हिस्सा फूड कंजम्पशन में सबसे अधिक है। राजस्थान (33.2%), हरियाणा (33.1%), पंजाब (32.3%) और यूपी (25.2%) के शहरी इलाकों में भी मिल्क एंड मिल्क प्रोडक्ट्स का हिस्सा सबसे अधिक है। वहीं, खाने-पीने पर कुल खर्च में अंडे, मछली और गोश्त की सबसे अधिक 23.5% हिस्सेदारी केरल के ग्रामीण इलाकों में है। इसके बाद असम (20%) और पश्चिम बंगाल (18.9%) का नंबर है। सबसे कम 2.1% हिस्सेदारी हरियाणा के ग्रामीण इलाकों में है। 2.6% हिस्से के साथ इससे ऊपर गुजरात और राजस्थान हैं। शहरी इलाकों के खान-पान में अंडे, मछली और गोश्त की हिस्सेदारी के मामले में केरल 19.8% और वेस्ट बंगाल 18.9% के साथ आगे हैं।

अनाज के मामले में प्रति व्यक्ति हर महीने सबसे अधिक 11.23 किलो की खपत पश्चिम बंगाल के ग्रामीण इलाकों में है। इसके बाद ओडिशा (11.21 किलो), बिहार (11.14 किलो) और राजस्थान (10.55 किलो) का नंबर है। यूपी में 9.38 किलो और महाराष्ट्र में 8.31 किलो खपत है। सबसे कम 6.6 किलो खपत केरल में है।

अनाज में भी चावल की सबसे अधिक 95.93% हिस्सेदारी असम में है। इसके बाद छत्तीसगढ़ (92.24%) और तेलंगाना (92.06%) का नंबर है। यूपी में आंकड़ा 39.99% और महाराष्ट्र में 36.39% है। चावल की सबसे कम 3.19% हिस्सेदारी राजस्थान के लोगों के फूड एक्सपेंडिचर में है। हरियाणा (88.56%), पंजाब (87.54%) और राजस्थान (84.77%) के लोगों के खाने-पीने में गेहूं पर खर्च का हिस्सा अधिक है। नॉन-फूड आइटम्स पर खर्च के मामले में सभी प्रमुख राज्यों के ग्रामीण और शहरी इलाकों में कन्वेंस की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। इसके बाद ड्यूरेबल गुड्स और एंटरटेनमेंट का नंबर है। नॉन-फूड आइटम्स में ड्यूरेबल गुड्स की सबसे अधिक हिस्सेदारी केरल में है।

सर्वे के मुताबिक, 2022-23 में ग्रामीण इलाकों में ऐवरेज मंथली पर कैपिटा कंजम्पशन एक्सपेंडिचर 3773 रुपये और शहरी इलाकों में 6459 रुपये रहा। 2010-11 में ये आंकड़े 1430 रुपये और 2630 रुपये पर थे। इस तरह रूरल एरिया में खर्च 2.6 गुना और अर्बन एरिया में 2.5 गुना बढ़ गया। इसके साथ ही रूरल-अर्बन गैप घटा है। 2010-11 में शहरों में औसत गांवों से 84% अधिक था। 2022-23 में फासला घटा और यह करीब 71% ही अधिक रह गया है। - इसके सारे आंकड़ों का छोटे-छोटे वनलाइनर्स बना दीजिए।

सुवेंदु की राज्यपाल को चिट्ठी, कहा-

बंगाल की स्थिति बेहद खराब

कोलकाता : बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने राज्यपाल सीवी आनंद बोस को पत्र लिखकर रामनवमी शोभायात्रा के दौरान मुर्शिदाबाद सहित राज्य के कुछ अन्य इलाकों में हुई हिंसा की घटना की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) से जांच कराने की मांग की है। सुवेंदु ने हिंसा का उल्लेख करते हुए पत्र में कहा कि बंगाल की स्थिति बेहद खराब है, उन्होंने राज्यपाल से कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए तुरंत हस्तक्षेप की मांग की। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भड़काऊ भाषणों के कारण राज्य में विभिन्न स्थानों पर रामनवमी के जुलूसों को बाधित किया गया और उन पर हमला किया गया। भाषण के जरिए उपद्रवियों को सफलतापूर्वक उकसाया गया, जिसके कारण हिंदुओं पर हमले और हिंसा की यह घटना हुई है। इतना ही नहीं, उन्होंने आरोप लगाया है कि मुर्शिदाबाद में शोभायात्रा के दौरान रामभक्तों पर टीएमसी दफ्तर से हमला किया गया। पत्र में कहा गया है कि बुधवार शाम को मुर्शिदाबाद के बेलडांगा इलाके में शक्तिपुर में हिंसा भड़की, जिसके बाद जुलूस पर कुछ शरारती तत्वों के लोगों ने पथराव कर यात्रा में खलल डालने की कोशिश की। जिसकी जद में आकर कई लोग घायल भी हो गए। पत्र में आगे कहा गया, पूर्व मेदिनीपुर जिले के एगरा में भी कुछ इसी तरह की हिंसा भड़की। जुलूस में हिस्सा लेने वाले पांच लोग बुरी तरह से जख्मी हो गए, जिन्हें बाद में स्थानीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया। पत्र में उन्होंने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों पर भी आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि इस हिंसा को रोकने की दिशा में पुलिस ने कोई कोशिश नहीं की। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि अब तक न ही मुर्शिदाबाद और न ही पूर्वी मेदिनीपुर जिला प्रशासन की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया सामने आई है।

'बात हिन्दुस्तान की' के चतुर्थ वर्ष में प्रवेश करने पर सभी सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, वितरकों एवं बात हिन्दुस्तान के पूरे परिवार को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। आशा करते हैं कि अब नई उंचाइयों को छूने और चुनौतियों का सामना करने के लिए आपका सहयोग हमें हमेशा मिलता रहा है और आगे भी रहेगा। *– सम्पादक*

आवश्यकता

'बात हिन्दुस्तान की' समाचार पत्र के लिए संवाददाताओं की आवश्यकता है। ह्वाट्सएप पर संपर्क करें- 9798848926

'बात हिन्दुस्तान की' में अपने संस्थान/ प्रतिष्ठान/ कार्यालय आदि का विज्ञापन प्रकाशित करवाने हेतु ह्वाट्सेप नं. 9798848926 पर संपर्क करें। खबरों के लिए हमारे वेबसाइट, यूट्यूब एवं फेसबुक पेज पर नजर रखें

ठेकेदार ने पार्टी कार्यालय में बुलाकर पैसे लिये, लेकिन नहीं मिला पेयजल

हावड़ा : तृणमूल के पार्टी कार्यालय में बैठकर नगर पालिका के एक ठेकेदार ने हावड़ा नगर निगम के नाम पर बिल बनाकर स्थानीय निवासियों से पानी की पाइपलाइन के कनेक्शन के लिए प्रति परिवार पांच से छह हजार रुपए वसूले थे। ऐसा आरोप वार्ड 50 के निवासी लगा रहे हैं। लेकिन उसके बाद भी पिछले छह वर्षों में हावड़ा नगर निगम के संलग्न क्षेत्र वार्ड नंबर 50 के एक बड़े हिस्से के निवासियों को शुद्ध पेयजल नहीं मिला। इस भीषण गर्मी में पूरे इलाके में पानी का गंभीर संकट है। और इसी अवसर पर जल निकासी के लिए अवैध रूप से ट्यूबवेलों की खुदाई और उस पानी का अवैध व्यापार शुरू हो गया है। हावड़ा के वार्ड नंबर 50 का एक बड़ा हिस्सा, जिसमें से एक प्याराबागान इलाका भी है। मतदान से पहले पीने का पानी नहीं मिलने से स्थानीय लोगों ने नाराजगी व्याप्त है। वार्ड नंबर 50 का प्याराबागान इलाका हावड़ा के बनारस रोड के तेंतुलतला मोड़ से शुरू हुआ है। आसपास के क्षेत्रों की तुलना में निचली भूमि होने के कारण यह वार्ड कई वर्षों से जल निकासी की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। स्थानीय निवासियों की शिकायत है कि थोड़ी सी बारिश के बाद वहां पानी जमा हो जाता है। कभी-कभी उस पानी को पूरी तरह उतरने में महीनों लग जाते हैं। हालाँकि, सबसे गंभीर समस्या पेयजल संकट है।

क्षेत्र के निवासियों के अनुसार, हावड़ा नगर निगम ने 2018 में केएमडीए द्वारा बिछाई गई पाइपलाइन के माध्यम से क्षेत्र के हर घर में पद्मपुकुर जल परियोजना का पानी पहुंचाने की पहल की थी। नगर निगम की ओर से बताया गया कि इसके लिए स्थानीय निवासियों को पैसा जमा करना होगा। लेकिन नगर निगम कार्यालय के बजाय तृणमूल पार्टी कार्यालय में फोन करके पाइपलाइन की लागत के लिए 2327 रुपये और प्रत्येक

पानी के कनेक्शन के लिए 5 से 6 हजार रुपए

निवासी से स्थापना शुल्क (श्रम शुल्क) के लिए 2500 रुपये वसूलने गए। कुछ से तीन-तीन हजार रुपये लिये गये। इसके बाद भी पिछले छह वर्षों में फिल्टर पेयजल की समस्या का समाधान नहीं हो सका है। इलाके की निवासी सोनाली घोष ने ठेकेदार द्वारा हस्ताक्षरित एक नगर निगम बिल दिखाया और कहा, हमें तृणमूल पार्टी कार्यालय में जाने और पैसे जमा करने के लिए मजबूर किया गया। लेकिन सवाल यह है कि एक ठेकेदार नगर निगम के बिल पर हस्ताक्षर कैसे करता है और पैसा कैसे वसूलता है? पैसे लेने के बाद भी इतने सालों में मुझे पानी क्यों नहीं मिला?'' एक अन्य निवासी चंचल मैत्रा ने कहा, ''कुछ साल पहले, पानी की आपूर्ति प्रदान करने के लिए नगर पालिका द्वारा क्षेत्र में एक उथला ट्यूबवेल बनाया गया था। वह जल आपूर्ति पर्याप्त नहीं थी। पानी की गुणवत्ता भी बेहद खराब थी। उस ट्यूबवेल का पंप भी पिछले चार महीने से खराब है।'' स्थानीय निवासियों ने बताया कि चुनाव से पहले यह इलाका सत्ताधारी पार्टी के उम्मीदवार के पोस्टरों और झालरों से भरा हुआ है। स्थानीय विधायक मनोज तिवारी और तृणमूल उम्मीदवार प्रसून बनर्जी ने वोट मांगने के लिए उस वार्ड का दौरा किया। लेकिन इलाके में जल संकट के बारे में किसी ने एक शब्द भी नहीं कहा।

वार्ड नंबर 50 के पूर्व तृणमूल नगर निगम प्रतिनिधि और क्षेत्र के तृणमूल नेता त्रिलोकेश मंडल ने कहा, 'जल संकट को हल करने के लिए उस क्षेत्र में केएमडीए द्वारा स्थापित पाइपलाइन को नगरपालिका की पद्मपुकुर जल परियोजना की पाइपलाइन से जोड़ने का काम चल रहा था।' लेकिन काम रोकना पड़ा क्योंकि वोटिंग के दौरान किसी ने इसकी शिकायत चुनाव आयोग से कर दी। मतदान के बाद काम शुरू हो जायेगा। समस्या का समाधान हो जायेगा।

पयाराबागान सहित वार्ड नंबर 50 में जल संकट के बारे में हावड़ा नगर पालिका के अध्यक्ष सुजॉय चक्रवर्ती ने कहा, हम उस क्षेत्र में एक और उथला ट्यूबवेल स्थापित करना चाहते थे। लेकिन इलाके के लोगों द्वारा जगह नहीं देने के कारण इसका निपटारा नहीं हो सका। इसलिए पद्मपुकुर पाइपलाइन को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। थोड़ा सा काम बाकी है। मतदान के बाद यह किया जाएगा।'' चेयरपर्सन ने कहा कि घर-घर पाइपलाइन कनेक्शन के लिए निवासियों से पैसा लिया गया था, लेकिन वह पैसा नगर निगम में जमा कर दिया गया है। हालाँकि, यह ज्ञात नहीं है कि एक ठेकेदार ने नगर निगम के बिल पर हस्ताक्षर कैसे किए और पैसे कैसे ले लिए। सुजॉय ने कहा कि मामले की जांच की जाएगी।

भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा

कोलकाता : भगवान श्री परशुराम जी की जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य शोभायात्रा सत्यनारायण पार्क कोलकाता में बड़े ही धूमधाम गाजे बाजे, डीजे व मातृशक्ति के द्वारा सुमधूर भजनों के साथ रथ पर विराजमान श्री परशुराम भगवान के पीछे परशुराम सेना पश्चिम बंगाल-प्रदेश , खण्डल विप्र चेरिटेबल ट्रस्ट, खण्ड विप्र सेवा ट्रस्ट,व अन्य कई गणमान्य समाजिक संस्थानो के साथ हजारों के संख्या में मातृशक्ति व परशुराम सेना तत्वावधान में बड़े ही धूमधाम से कोलकाता महानगर में निकाला गया। परशुराम सेना के चेयरमैन सचिन त्रिपाठी ने कहा की परशुराम सेना पश्चिम बंगाल-प्रदेश के लिए राष्ट्रय सर्वोपरि के साथ साथ सम्पूर्ण विश्व का कल्याण चाहती है। कार्य क्रम में, सुबोध इन्दोरिया, अनिल, मिश्र, गणेश डोरवाल, बनवारी लाल शर्मा, संजय शर्मा, अशोक सहल, संतोष तिवारी, गंगा सागर तिवारी, नीरज शुक्ला,जय प्रकाश पांडेय, बागेश मिश्र,कैलाश उपाध्याय,बबिता पाठक, सुजाता पाण्डेय नंदनी, श्रीधर पाण्डेय , तारकेश्वर दूबे, पार्षद महेश शर्मा,दारा सिंह ,अजय मिश्र अन्य कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। परशु-राम सेना पश्चिम बंगाल-प्रदेश के अध्यक्ष सुनील शुक्ला ने कहा हम सभी को यह ध्यान में रखना चाहिए कि श्री परशुराम भगवान धर्म, न्याय और वीरता के प्रतीक हैं ,श्री परशुराम भगवान ने अपने शाश्वत कर्तव्यों को निभाने के लिए समर्पण प्रदर्शित किया था। इस पवित्र अवसर पर हमें शक्तिशाली एवं महान आदर्शों को अपने जीवन में उतारना होगा।

अधर में लटका है शिवपुर जेटी का मरम्मत कार्य

शिवपुर-बाबूघाट फेरी सेवा पूरी तरह बंद

हावड़ा : कुछ महीने पहले, हावड़ा के शिवपुर लॉन्च घाट पर जेटी कोटल के पानी के दबाव से टूट गया था। मरम्मत कार्य शुरू होते ही चुनाव की घोषणा हो गयी। नतीजा यह हुआ कि मरम्मत का काम आगे नहीं बढ़ सका। बुधवार की ज्वारीय धारा के थोड़ा और टूटने से घाट और उसकी संरचना फिर से मुख्य संरचना से दूर चली गई। शिवपुर जेटी घाट की मरम्मत कब होगी और शिवपुर से बाबूघाट का शुभारंभ कब शुरू होगा, इस बारे में प्रशासन भी बेखबर है। वहीं दूसरी ओर लेकिन इस लॉन्च सेवा के बंद होने से यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वे हुगली जल पथ के रास्ते बहुत कम समय में अपने गंतव्य तक पहुँच सकते थे। अब उन्हें हावड़ा ब्रिज, विद्यासागर ब्रिज पार करना पड़ता है। जिसमें समय भी ज्यादा लगता है। हुगली नदी जलमार्ग सहकारी समिति शिवपुर घाट से बाबूघाट तक लॉन्च चलाती है। एसोसिएशन के निदेशक अजय दे ने कहा, ''दो माह पहले घाट ढहते ही राज्य मंत्री को सूचना दी गयी थी। मंत्री ने यह भी निर्देश दिया था कि परिवहन विभाग घाट की मरम्मत ठीक से कराये। लेकिन वह काम शुरू होता उससे पहले ही चुनाव की घोषणा हो गयी। नतीजतन घाट की मरम्मत के लिए धन स्वीकृत नहीं हो सका। हमने मंत्री को फिर से सूचित किया क्योंकि घाट इस दिन फिर से टूट गया था। उन्होंने कहा, राज्य सरकार की ओर से उन्हें बताया गया कि चुनाव प्रक्रिया समाप्त होते ही घाट की मरम्मत का काम शुरू हो जायेगा। परिणामस्वरूप, बाबूघाट लॉन्च सेवा अब शिवपुर घाट से शुरू नहीं की जा सकती है।

यह लॉन्च सेवा शिवपुर से बाबूघाट तक का बहुत ही आसान मार्ग है। अभी हावड़ा ब्रिज, विद्यासागर ब्रिज के रास्ते बाबूघाट या धर्मतल्ला पहुंचने में काफी समय लगता है। उन्होंने घाट की मरम्मत कर शीघ्र लांचिंग सेवा शुरू करने की मांग की। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कुछ दिनों की बारिश के कारण गंगा का जलस्तर काफी बढ़ा हुआ था। ज्वार के दबाव के कारण घाट फिर टूट गया। स्थानीय लोगों के अनुसार विद्यासागर पुल के बाद शिवपुर लॉन्च घाट से गंगा नदी थोड़ी दाहिनी ओर मुड़ गयी है। तो ज्वार का पानी आता है और पहले शिवपुर घाट से टकराता है और फिर वहां से दाहिनी ओर बहता है। यही कारण है कि बॉटैनिकल गार्डन के पास भी गंगा के कटान नहीं रोका जा रहा है। इसी तरह शिवपुर घाट पर भी घाट बार-बार टूट रहा है। क्षेत्रवासियों ने समस्या के स्थाई समाधान की मांग की है।

चुनाव प्रचार पर निकले हावड़ा के विदाई सांसद प्रशुन बनर्जी को गो बैक का नारा

हावड़ा : हावड़ा से निवर्तमान तृणमूल सांसद प्रसून बंदोपाध्याय को चुनाव प्रचार के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। जब वह खेल राज्य मंत्री मनोज तिवारी के साथ हुडखुला जीप से बेलगछिया के मानसतला में चुनाव प्रचार कर रहे थे, तो पार्टी के कई पुराने कार्यकर्ताओं ने उनका विरोध किया.उन्होंने प्रसून बनर्जी वापस जाओ का नारा लगाया। इससे प्रसून बनर्जी का धैर्य टूट गया. और देखते ही देखते ये तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई. पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं का कहना है कि लोकसभा चुनाव की तैयारी होने के बावजूद शिवपुर विधानसभा क्षेत्र के पुराने पार्टी कार्यकर्ताओं को उतना महत्व नहीं दिया गया.बूथ पर ड्यूटी कैसे होगी, इस पर बात करने के लिए भी उन्हें नहीं बुलाया गया. हालाँकि उन्होंने बार-बार सांसद को इस बारे में सूचित किया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने पर वे लोग गुस्से में आ गए। उन्होंने कहा कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो पार्टी के लिए शिवपुर विधानसभा सीट से बढ़त हासिल करना मुश्किल हो जाएगा.इस बीच, हावड़ा सदर के भाजपा उम्मीदवार रथिन चक्रवर्ती ने घटना की आलोचना की। उन्होंने कहा कि शिवपुर विधानसभा क्षेत्र में जिस तरह से तोलाबाजी समेत पैसे का कई तरह का खेल चल रहा है, उसके लिए मंत्री और सांसद दोनों जिम्मेदार हैं।

हावड़ा के सीपी प्रवीण त्रिपाठी ने बांटे छाता व चश्मा

हावड़ा : बैसाख की शुरुआत में जिले में चल रही भीषण आग से बचने के लिए हावड़ा सिटी पुलिस ने शनिवार को हावड़ा ट्रैफिक पुलिस के कई अधिकारियों को धूप का चश्मा और ओआरएस का बड़ा छाता प्रदान किया इस बीच जिला प्रशासन ने आम लोगों के लिए आग की चेतावनी जारी की है।

हालांकि इस भीषण गम में भी ट्रैफिक पुलिसकम अपनी ड्यूटी कर रहे हैं हावड़ा सिटी पुलिस ने उनके लिए एक विशेष किट उपलब्ध करायी है हालांकि उत्तर बंगाल की छवि थोड़ी सुकून भरी है, लेकिन पूरा दक्षिण बंगाल जल रहा है बारिश की एक बूंद भी नहीं इस दौरान ट्रैफिक पुलिस को घंटों सड़क पर खड़ा रहना पड़ता है ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान बीमार पड़ने से बचाने के लिए हावड़ा सिटी पुलिस ने सभी ट्रैफिक विभाग के कर्मचारियों को एक किट दी है उस किट में ग्लूकोज पैकेट, ओआरएस पैकेट, बड़ा छाता, धूप का चश्मा, पानी की बोतल, तौलिया आदि शामिल है। हावड़ा सिटी पुलिस कमिश्नर (सीपी) प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने हावड़ा-कोना ट्रैफिक गार्ड कार्यालय के सामने एक समारोह में ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को किट सौंपी हालांकि, हावड़ा सिटी पुलिस मेयर प्रवीण कुमार त्रिपाठी इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते थे एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि चुनाव में अभी देरी है और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के साथ रूट मार्च जारी है हालाँकि कितनी सेनाएँ आएंगी, उनका उपयोग कैसे किया जाएगा, यह खुलकर नहीं कहा जा सकता, यह एक रणनीतिक मामला है मैं आज जिस कारण से आया हूं, उसके अलावा और कुछ नहीं कहूंगा

स्ट्रेस और गुस्से को कम करने में फायदेमंद है सोहम मेडिटेशन

गुस्से को इंसान का सबसे बड़ा दुश्मन माना जाता है। इसकी वजह से मनुष्य को जीवन में तमाम समस्याओं का सामना करना पड़ता है। क्रोध की वजह से मनुष्य मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और पारिवारिक इन तमाम दिशाओं में समस्याओं का सामना करता है। एक खुशहाल और सम्मानजनक जीवन के लिए इंसान को क्रोध का त्याग करना चाहिए या फिर गुस्से पर काबू करना आना चाहिए। लेकिन, गुस्से पर नियंत्रण पाना इतना भी आसान नहीं है। इसके लिए विशेष प्रयास की आवश्यकता होती है। आपको प्रशिक्षित, स्थिर और केंद्रित दिमाग बनाना होगा। इसके लिए हम आपको एक तरीका बता रहे हैं, जिसका का नाम है सोहम मेडिटेशन। दिमाग को शांत करने और गुस्से को कम करने में सोहम मेडिटेशन काफी मदद करता है। आइए जानते हैं इसके बारे में।

सोहम मेडिटेशन के फायदे– सोहम मेडिटेशन क्रोध पर नियंत्रण के साथ साथ अन्य समस्याओं का निदान भी करता है। सोहम मेडिटेशन के कई फायदे हैं।

क्या है सोहम मेडिटेशन– सोहम मेडिटेशन से आपकी एकाग्रता, स्पष्टता और आंतरिक स्थिरता का विकास होगा, जो आपके दिमाग की जागरूकता को बढ़ाएगा और आपको नियंत्रित और संयमित बनाएगा।

कैसे करें ध्यान

योगा इंटरनेशनल डॉट कॉम के अनुसार प्राणायाम की मुद्रा में बैठें। अपना ध्यान शरीर के विभिन्न ऊर्जा केंद्रों (भौंह, उंगलियां, हथेली, नाक, आदि) पर लगाएं। हर केंद्र पर सांस लें और आहिस्ता से छोड़ें। अब आप अपनी आईब्रो के मध्य में ध्यान लगाएं। इस दौरान सांसों की गति और प्रवाह पर ध्यान रखें। सांसों का लेना और छोड़ना महसूस करें। इस दौरान एकाग्र रहें, और संवेदनशील रहें। इसके बाद आहिस्ता से दोनों हथेलियों को आपस में रगड़ें और इसके बाद चेहरे पर मालिश करें। इस तरह आपने सोहम मेडिटेशन पूरा कर लिया। इसके बाद आप अपने आप को तनाव मुक्त महसूस कर पा रहे होंगे।

बंगाल के बारे में अफवाह फैला रहे पीएम : ममता

हावड़ा : उलबेड़िया लोकसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस की प्रत्याशी सजदा अहमद के समर्थन में आमता के फुटबॉल ग्राउंड में आयोजित जनसभा को संबोधित करने पहुंचीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार को घेरा. उन्होंने कहा कि गौ तस्करी के मामले में सबसे पहले केंद्रीय गृहमंत्री को गिरफ्तार किया जाना चाहिए, क्योंकि बिना बीएसएफ की मिलीभगत से यह संभव नहीं है. मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी हमला बोला. उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता झूठ के सिवाय कुछ नहीं बोल रहे हैं. झूठ बोलने पर उन्हें 100 में से 120 अंक मिलेंगे. उन्हें बंगाल की संस्कृति के बारे में कुछ भी पता नहीं है. टेलीप्रॉम्प्टर को देख कर वह बांग्ला पढ़ रहे हैं. बातों–बातों में पीएम मोदी गारंटी की बात करते हैं और उनकी गारंटी का मतलब है 420 की गारंटी. बंगाल आकर पीएम कहते हैं कि मुस्लिमों से आरक्षण छीन लेंगे. यह गलत प्रचार है. मुस्लिमों को इतना नीचा दिखाने का कोई कारण नहीं है. सीएम ने कहा कि बंगाल में कांग्रेस और माकपा अभी भाजपा की दोस्त बन गयी हैं. उन्होंने कहा देश की आजादी में बंगाल का महत्वपूर्ण योगदान है और भाजपा उसी बंगाल का अपमान कर रही है. संदेशखाली मुद्दे पर सीएम ने कहा कि भाजपा की साजिश नाकाम हो गयी है. भाजपा नेता सबसे बड़े चोरों के सरदार हैं. उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि हमलोग अपना हर वायदा निभाते हैं. कोई मुझे डराकर चुप नहीं करा सकता. ममता ने कहा कि अगर भाजपा फिर से सत्ता में आती है, तो एनआरसी और सीएए लागू कर देगी, इसलिए भाजपा को हराना होगा और बंगाल की जनता उन्हें करारा जवाब देगी.

हिम्मत हो तो, पीएम अपने 10 साल कार्यकाल का हिसाब दें : अभिषेक

हावड़ा : लोकसभा हावड़ा सदर सीट से तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी प्रसून बनर्जी के समर्थन में बाली में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने केंद्र सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि अगर हिम्मत है तो केंद्र अपने 10 साल के कार्यकाल में किये गये काम को आगे रखकर प्रतिस्पर्धा करे. मैं भी उनलोगों को यह बता दूंगा कि हमारी सरकार ने 13 साल में क्या काम किया है. श्री बनर्जी ने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि भाजपा बंगाल विरोधी पार्टी है. उन्होंने बंगाल का हक मारा है. 100 दिन रोजगार के तहत काम करने वाले श्रमिकों का मेहनताना रोक कर रखा है. बंगाल की जनता उन्हें काफी माफ नहीं करेगी. तृणमूल सांसद ने कहा कि उन्होंने बंगाल की संस्कृति को कलंकित किया है. चार जून को देश की जनता भाजपा को बाहर का रास्ता दिखा देगी. 10 साल तक जिस तरह से उन्होंने लोगों पर अत्याचार किया, उसका जवाब अब जनता देगी. उन्होंने कहा कि संदेशखाली मामले में भाजपा के मंसूबों पर पानी फिर गया है. उनलोगों ने जान–बुझकार महिलाओं का अपमान किया. उसे हम स्वीकार नहीं करेंगे.

कांग्रेस, लेफ्ट और टीएमसी ने बंगाल को तबाह कर दिया : मोदी

हावड़ा : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बंगाल के हावड़ा जिले के सांकराइल में अपनी चौथी जनसभा में भी विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। पीएम ने कहा कि कांग्रेस का भ्रष्टाचार, कांग्रेस का परिवारवाद और कांग्रेस का तुष्टीकरण और दूसरे वाम (लेफ्ट) का अत्याचार और अराजकता, इन सारी बुराईयों को इकट्ठा कर दें तब अकेली टीएमसी बनती है। मोदी ने कहा कि पहले कांग्रेस, फिर लेफ्ट और उसके बाद टीएमसी ने बंगाल को कैसे तबाह किया, हमारा हावड़ा इसका साक्षी है। मोदी ने कहा कि टीएमसी ने घोटालों को अपना फुलटाइम बिज़नेस बना लिया है। टीएमसी हो, कांग्रेस हो, लेफ्ट हो या इंडी गठबंधन की कोई और पार्टी, भ्रष्टाचार इनका सामान्य चरित्र है। इंडी गठबंधन की ज्यादातर पार्टियां छिपकर घोटाले करती हैं लेकिन टीएमसी घोटालों का खुला उद्योग चलाती है। पीएम ने कहा कि यहां का लाटरी स्कैम भी इसका उदाहरण है...। इसका नुकसान बंगाल का युवा उठा रहा है। इस लाटरी घोटाले के पीछे कौन है? पीएम ने कहा कि इस लाटरी घोटाले के पीछे टीएमसी के भ्रष्ट नेता हैं और ये दूर–दूर तक फैले हुए हैं। लेकिन ये टीएमसी सरकार उन्हें भी बचा रही है। मोदी ने कहा कि टीएमसी सरकार केंद्र की योजनाओं में भी लूट–खसोट की पूरी कोशिश कर रही है। भाजपा सरकार गरीबों को प्रधानमंत्री आवास देती है लेकिन यहां टीएमसी सरकार केवल उन्हीं लोगों के पैसे रिलीज करती है, या तो वे टीएमसी से जुड़े हैं या फिर टीएमसी वालों को 'कट' देते हैं। दूसरे गरीबों को ये लोग हमारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलने दे रहे हैं।

संदेशखाली के गुनहगारों को बचा रही टीएमसी सरकार : मोदी ने आगे कहा कि आज टीएमसी सरकार में हमारी बहनें सुरक्षित नहीं हैं। यहां महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हैं। संदेश–खाली में क्या हुआ? पूरे देश ने देखा। बेटियों के गुनहगारों को बचाने में टीएमसी की पूरी सरकार लग गई...। आज आरोपित सीबीआइ की गिरफ्त में है, लेकिन टीएमसी अभी भी उसके लिए बैटिंग कर रही है। पीएम ने संदेशखाली कांड को लेकर हाल में आए स्टिंग वीडियो की ओर इशारा करते हुए यह भी आरोप लगाया कि अब टीएमसी ने नया खेल शुरू कर दिया है। संदेशखाली की माताओं– बहनों को डराया जा रहा है।

अपनी सरकार की उपलब्धियां भी गिनाईं : मोदी ने इस दौरान अपनी सरकार की उपलब्धियां भी गिनाईं। उन्होंने कहा कि मोदी को देश के गरीब, दलित, पिछड़े, आदिवासी की सेवा करने के लिए परमात्मा ने धरती पर जन्म दिया है। आप याद कीजिए, पहले पार्टियां आपका वोट तो ले लेती थी लेकिन सरकार बनने के बाद उनकी भाषा बदल जाती थी। आप नेता के पास जाते थे तो नेता कहता था, तुम कौन हो? ये सोच मोदी ने बदल दी है। आज केंद्र की भाजपा सरकार हर देशवासी के दरवाजे पर पहुंच रही है। और इसलिए आज बंगाल के करोड़ों लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है ताकी कोई गरीब मां अपने बच्चों को भूखा देखने पर मजबूर न हो। मोदी मुफ्त राशन भेजता है क्योंकि गरीब का चूल्हा जलता रहे।

माओवादियों से निपटने के लिए कमर कस चुका है केंद्र सरकार

नयी दिल्ली : हाल ही में छत्तीसगढ़ के जंगलों में सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में हैरतअंगेज दृश्य सामने आया। कांकेर जिले में जबर्दस्त गोलीबारी में कुल 29 माओव–ादी मारे गए, जिनमें उनका सबसे बड़ा नेता 25 लाख रुपये का इनामी शंकर राव भी शामिल था। इस मुठभेड़ में माओवादी आधुनिक हथियारों जैसे, असॉल्ट राइफलों तथा ग्रेनेड लॉन्चरों से लैस थे। फिर भी सुरक्षा बलों ने बेहद आक्रामक ढंग से मुकाबला करते हुए उनका खात्मा किया।

छत्तीसगढ़, झारखंड के जंगलों के बड़े हिस्से में एक तरह से माओवादियों का राज था और वहां उनसे लड़ना आसान नहीं था। जिन लोगों ने छत्तीसगढ़ के घने और विस्तृत जंगल नहीं देखे हैं, उन्हें यह बताना जरूरी है कि वहां माओवादियों की चप्पे–चप्पे पर नजर रहती है और उनके कैडर हर जगह पहुंचे रहते हैं। उन्हें हथियारों का भी बेहतर प्रशिक्षण दिया जाता है और घात लगाकर हमला करने में उन्हें महारत हासिल है। पिछले कुछ वर्षों से केंद्र सरकार ने माओवादियों पर लगाम कसनी शुरू कर दी है। गृह मंत्रालय ने इनसे निपटने के लिए सुरक्षा बलों को न केवल आधुनिकतम हथियार देना शुरू किया है, बल्कि अन्य संसाधन भी। माओवादियों से निपटने में सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि राज्य सरकारें पर्याप्त मदद नहीं करतीं। उन्हें लगता है कि ऐसी मुठभेड़ों से आम जनता भी चपेट में आ जाएगी, जो पूरी तरह से गलत भी नहीं है। लेकिन अब स्थिति बदलने लगी है और नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण पर ध्यान दिया जाने लगा है। इससे सरकार के प्रति जनता में अब कटता का भाव नहीं रहा है। उनकी सहानुभूति अब माओवादियों के साथ न होकर सुरक्षा बलों के साथ है। ताजा मामले में, गृह मंत्रालय ने इन उग्रवादियों की गतिविधियों पर अपने स्रोतों से नजर रखी और जब सूचना बिल्कुल पक्की हो गई, तो राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर बीनागुंडा और आसपास के इलाकों में ऑपरेशन चलाया। दिन में चलाए गए इस ऑपरेशन का लाभ यह हुआ कि सुरक्षा बलों को सभी कुछ साफ दिख रहा था और वे उन पर हावी हो गये। और बड़ी संख्या में माओवादियों को जान से हाथ धोना पड़ा। सुरक्षा बलों की आक्रामकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक चार महीने में लगभग 80 माओवादी मारे गए हैं और 125 से अधिक गिरफ्तार हुए हैं तथा 150 से अधिक ने आत्मसमर्पण किया है। यह केंद्र तथा राज्य सरकार के बीच सामंजस्य से संभव हुआ है। गृह मंत्रालय इस मामले में दृढ़ संकल्पित है कि माओवादियों से सख्ती से निपटना है, लेकिन बातचीत के रास्ते खुले हुए हैं।

माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में 2019 के बाद से 250 से भी ज्यादा सुरक्षा शिविर स्थापित किए गए हैं। इन माओवादियों के कारण राज्य का विकास रुक रहा है और जन जीवन प्रभावित हो रहा है। बस्तर जिले के सीधे–सादे आदिवासियों को डराकर ये माओवादी उनके बच्चों तक को अपने साथ ले जाते हैं और उन्हें कम उम्र से ही हथियारों की ट्रेनिंग देते हैं।

साठ के दशक के उत्तरार्ध में बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से नक्सलवाद आंदोलन की शुरुआत हुई, जहां माओवादियों ने भूमिहीन किसानों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर सशस्त्र आंदोलन किया, जिसका वहां की सरकार भी ठीक से जवाब नहीं दे पाई। इसी आंदोलन की तर्ज पर कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिन) ने छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, ओडिशा आदि में हिंसक आंदोलन किया। बंगाल के आंदोलन के विपरीत यहां सिद्धांतों की लड़ाई नहीं थी, बल्कि अपना वर्चस्व स्थापित करने की जिद है। इन माओवादियों के कैडर पैसे की वसूली करते हैं। खनन कार्य में लगी कंपनियों से मोटी रकम वसूली जा रही है। लेकिन अब समय बदलने लगा है और केंद्र सरकार माओवादियों से निपटने के लिए कमर कस चुकी है। छत्तीसगढ़ सरकार ने केंद्र के साथ मिलकर नक्सल प्रभावित जिलों के लिए नई योजनाएं भी बनाई हैं। इसके तहत उन्हें 25 से अधिक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीणों को आवास उपलब्ध कराने की बड़ी योजना पर काम हो रहा है। इस तरह के कल्याणकारी कार्यों से ग्रामीण माओवादियों से दूरी बनाने लगे हैं। हालांकि इस तरह के प्रयासों के कार्यान्वयन में वक्त लगेगा, लेकिन इस दिशा में यह एक बड़ी पहल है।

सुबह सफेद तो रात को गुलाबी, आगरा के इस मंदिर में शिवलिंग तीन पहर में बदलता है तीन रंग

आगरा के राजपुर चुंगी में स्थित है राजेश्वर महादेव मंदिर मान्यता के अनुसार राजाखेड़ा में होनी थी नर्मदा नदी से लाए शिवलिंग की स्थापना। महादेव ने चुना खुद मंदिर का स्थान सुबह सफेद तो रात को गुलाबी रंग लेता है शिवलिंग।

आगरा : जो लोग आगरा की पहचान महज मुगलिया इतिहास के आधार पर समझते हैं उनके लिए ये जरूरी है जानना कि आगरा प्राचीन काल से धार्मिक नगरी रही है। यहां चारों दिशाओं में स्थापित शिवालय इस बात की पुष्टि भी करते हैं। जिसमें से एक महादेव मंदिर है राजेश्वर महादेव का। जिसका इतिहास जितना पुराना है उतनी ही रोचकता है मंदिर में स्थापित शिवलिंग की।

सुबह सफेद तो रात को गुलाबी : शमसाबाद रोड राजपुर चुंगी स्थित श्रीराजेश्वर महादेव मंदिर 850 वर्ष पुराना है। इस मंदिर की खासियत यह है कि यहां जो शिवलिंग स्थापित हैं, वो दिन में तीन बार रंग बदलते हैं। सुबह की मंगला आरती के दौरान सफेद रंग, दोपहर की आरती के दौरान हल्का नीला रंग और शाम की आरती के दौरान गुलाबी रंग का शिवलिंग दिखाई देती है।

इस तरह विराजित हुए महादेव : मान्यता के अनुसार राजाखेड़ा के एक साहूकार इस शिवलिंग को एमपी की नर्मदा नदी से लाए थे। इस शिवलिंग की स्थापना राजाखेड़ा में होनी थी। रात में विश्राम के दौरान वे राजपुर चुंगी क्षेत्र में रुके। उन्हें रात में स्वप्न आया कि भोले बाबा का शिवलिंग यहीं स्थापित करें, लेकिन साहूकार ने स्वप्न पर विश्वास नहीं किया। जैसे ही वे शिवलिंग को बैलगाड़ी से लेकर चलने को हुए, तो बैलगाड़ी खिंच ही नहीं पा रही थी। अचानक शिवलिंग बैलगाड़ी से गिरकर जमीन पर स्थापित हो गया। काफी प्रयास के बाद भी शिवलिंग वहां से नहीं उठा। जिसके बाद इस जगह पर राजेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण हुआ।

सावन में होती है विशेष पूजा : सावन के महीने में मंदिर के पट सुबह चार बजे खुलते हैं। रात 10.30 बजे तक मंदिर खुला रहता है। सामान्य दिनों में दोपहर एक से 3.30 बजे तक मंदिर भगवान के शयन को बंद रहता है। सावन व नवरात्र में मंदिर पूरे दिन खुलता है। सावन के पहले सोमवार को मंदिर पर करीब 300 कांवड़ और करीब 400 कलश जल चढ़ाया जाता है।

डाइटिंग के दौरान प्रोटीनयुक्त आहार लेने से शरीर नहीं होगा कमजोर

मोटापा और वजन कम करने के लिए लोग अक्सर डाइटिंग करते हैं। इस प्रक्रिया में वे खानपान को संतुलित करने के बजाय कई बार प्रोटीनयुक्त भोजन की मात्रा भी काफी कम कर देते हैं। इससे शारीरिक दुर्बलता व अन्य परेशानियां पैदा हो जाती हैं। अमेरिका स्थित रटगर्स यूनिवर्सिटी के एक हालिया अध्ययन में पाया गया कि डाइटिंग के दौरान आहार में प्रचुर मात्रा में प्रोटीन को शामिल कर लिया जाए तो लीन बाडी मास (एलबीएम) के नुकसान को रोका जा सकता है। फैट को छोड़कर शरीर के बाकी हिस्से को एलबीएम के रूप में जाना जाता है। अध्ययन निष्कर्ष ओबेसिटी नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। रटगर्स यूनिवर्सिटी में वजन कम करने के विभिन्न परीक्षणों के आंकड़ों के विश्लेषण में पाया गया कि अगर भोजन में प्रोटीन की मात्रा में हल्की वृद्धि भी कर दी जाए, तो उससे खाने की गुणवत्ता बेहतर हो जाती है। अध्ययन के लेखक एवं रटगर्स स्कूल आफ एनवायरमेंटल एंड बायोलाजिकल साइंस में न्यूट्रिशनल साइंस के प्रोफेसर सुए शाप्सेस के अनुसार, 'यह सही है कि डाइटिंग के दौरान हरी सब्जियां ज्यादा खाने से थोड़ी अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन स्वत: हो जाता है और वजन बढ़ाने वाले अनाज व चीनी की खपत कम हो जाती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि आहार में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाने से एलबीएम को तो कम नुकसान हुआ ही, साथ ही वजन भी तेजी से घटा।

हावड़ा पुलिस ने खोये हुए पैसे बरामद कर लौटाए

हावड़ा : 4 मई को हावड़ा निवासी ललित कुमार झंवर नामक एक युवक फोन के माध्यम से 1,89,743 रुपये के धोखाधड़ी के शिकार हो गए थे। उन्होंने तुरंत हावड़ा साइबर थाने में इससे संबंधित शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके बाद जांच में उतरी पुलिस ने किसी तरह उस रकम को प्राप्त कर ललित को लौटाए। ललित को एक जालसाज बैंक के क्रेडिट कार्ड को एक्टिवेट करने के लिए अज्ञात फोन नंबरों से कॉल आया था। पहले ललित को अवैध ऐप डाउनलोड कराया और फिर जालसाज की टीम उनके बैंक खाते से पैसे उड़ा ली। उन्होंने तुरंत पूरे मामले की सूचना साइबर थाने की पुलिस को दी। इस धोखाधड़ी की रकम 1,89,743 रुपये थी। इस शिकायत के आधार पर हावड़ा साइबर क्राइम थाने की पुलिस की प्रतिक्रिया जल्द ही मिल गई। मामले का पर्यवेक्षण साइबर क्राइम थाने की कुशल पुलिस टीम द्वारा किया गया। विभिन्न सूचनाओं की खोज की। तकनीकी इनपुट और सरकारी पोर्टलों का उपयोग करके त्वरित कार्रवाई के साथ इस समस्या को हल कर दिया। और धोखेबाजों से इस बड़ी रकम की वसूली की। बरामद सारा पैसा ललित को सौंप दिया गया। उपरोक्त जानकारी हावड़ा सिटी पुलिस के द्वार दी गई। पुलिस लोगों को जागरूक करते हुई कहती है कि किसी भी अनजाने लोगों को कहने पर बहकावे में न आए।

श्री जैन विद्यालय में मनाई गई भगवान महावीर स्वामी की जयंती

हावड़ा : श्री जैन विद्यालय हावड़ा में जैन धर्म के 24वे तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की जन्म-जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ मुख्य-अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन एवं भगवान महावीर की मूर्ति पर पुष्प अर्पण के साथ हुआ। भाषण प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। मौके पर समाजसेवी मनोज बोथरा, विद्यालय के संस्थापक सरदारमल कांकरिया, जैनसभा के सचिव अशोक मिन्नी, विद्यालय के सचिव ललित कांकरिया, श्रीमती प्रभा भंसाली, शशि कांकरिया,डॉ. वसुंधरा मिश्रा, त्रिशला भंसाली उपस्थित थे। सरदारमल कांकरिया ने अपने व्याख्यान में कहा कि बच्चों को भगवान महावीर स्वामी के जीवन के मूल सिद्धांतों एवं उपदेशों को अपनाना चाहिए जिससे कि वे अपने जीवन में सफल हो सके।

*स्वत्वाधिकारी **'बात हिन्दुस्तान की'** (पाक्षिक) पत्रिका के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी. गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन न.: 8902221434 से प्रकाशित एवं चपला मुद्रण, 2/3/1, रामजी हजरा लेन, हावड़ा-711101 से मुद्रित, सम्पादक-**उमेश तिवारी,** फोन- 8420899919 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उतरदायी , ईमेल/वेबसाईट-www.baathindustanki@gmail.com*

(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan Ki' : Smt. Soni kumari Jha, 23, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO : B.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9798848926 & Printed from CHAPLA MUDRAN 2/3/1 Ramji Hazra Lane, Shibpur, Howrah-711101, Editor : **Umesh Tiwari** Mo. 8420899919, Email/Website : www.baathindustanki@gmail.com)